वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 33 | गुरुवार 1 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पायलट का समझौते से इनकार, अल्टीमेटम बरकरार

बोले- मैं सरकार का इंतजार कर रहा हूं; बीजेपी राज की लूट सहित तीनों मुद्दों पर कार्रवाई करनी होगी

जयपुर. कासं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे के घर पर सुलह बैठक के दो दिन बाद अब सचिन पायलट ने साफ कर दिया है कि 15 मई को रखी गई तीन मांगों पर कोई समझौता नहीं होगा। पायलट ने सरकार को फिर अल्टीमेटम याद दिलाया है। बुधवार को टोंक के ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के दौरान पायलट ने कहा कि युवाओं से सार्वजनिक मंच पर किए गए कमिटमेंट हवाई बातें नहीं हैं। तीनों मांगों पर कोई समझौता नहीं होगा। पायलट ने कहा- तीन दिन पहले मैंने इन बातों को दिल्ली में रखा था। सब इस बातों को जानते हैं। मैं कहना चाहता हूं, मैंने जो मुद्दे उठाए थे, खासकर करप्शन के उस पर कार्रवाई हो। भाजपा के शासन में लूट मची थी। उसके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी। नौजवानों को इंसाफ दिलाने की बात थी। उस पर समझौता करना संभव नहीं है। मैं उम्मीद करता हूं, मैंने 15 मई को जो कहा था कि सरकार इस पर जल्द कार्रवाई करें। यह सब जानते हैं। मैं इंतजार कर रहा हूं। परसों बात की थी। इन मुद्दों पर कार्रवाई करने का दायित्व, राज्य सरकार का है।

युवाओं से किए कमिटमेंट हवाई बातें नहीं

पायलट ने कहा- मेरे नौजवान साथियों से सार्वजनिक रूप से जो आश्वासन दिया, जो कमिटमेंट किए हैं। मेरे कमिटमेंट हवाई बातें नहीं है। यह ऐसी बातें नहीं है। इसमें कोई गलती बता दे। कांग्रेस पार्टी हमेशा करप्शन के खिलाफ रही है। नौजवान के पक्ष में रही है। नौजवानों को न्याय दिलाना और भाजपा सरकार में जो करप्शन हुआ है, उसकी जांच करवाना अनिवार्य है। उस पर कोई समझौता नहीं होगा।

भ्रष्टाचार और नौजवानों के भविष्य पर समझौता संभव नहीं

पायलट ने कहा- कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व, राहुल गांधी इस बात को कई बार दोहरा चुके हैं कि करप्शन को लेकर जीरो टॉलरेंस रहा है। हम किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं कर सकते। कांग्रेस ही वह पार्टी है, जिसने हमेशा नौजवानों को प्रोत्साहित किया है। राजनीति में आगे आने का मौका दिया है। नौजवानों के साथ अगर कहीं गलत होता है, उनके साथ नाइंसाफी होती है तो मैं समझता हूं। पार्टी इसके खिलाफ रही है। भ्रष्टाचार और नौजवानों के भविष्य इन दो मुद्दों पर किसी प्रकार का कोई समझौता करे या मैं समझौता करूं यह संभव नहीं है। पायलट ने कहा- अभी दो दिन पहले मेरी बात दिल्ली में हुई थी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, अध्यक्ष से जो मैंने मांगें रखी थी, उसका पूरा संज्ञान पार्टी को भी है। दिल्ली में परसों मैंने बात की है। मैंने 15 तारीख को एक सभा को संबोधित किया था। भाजपा के शासन में वसुंधरा राजे के कार्यकाल में जो-जो करप्शन के मामले उठे थे, वे खुद अशोक गहलोत ने और मैंने उठाए थे। तमाम कांग्रेस नेताओं ने कई बार इन बातों को पब्लिक डोमेन में रखा था। उन पर प्रभावी जांच होनी चाहिए।

सुलह के दावे दो दिन बाद ही ध्वस्त, पायलट ने आंदोलन का रास्ता खुला रखा

सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच हाईकमान की मौजूदगी में सुलह बैठक के दावे दो दिन में ही ध्वस्त हो गए हैं। पायलट ने साफ कर दिया है कि वे तीन मांगों से समझौता नहीं करेंगे। तीनों मुद्दों पर गहलोत सरकार को कार्रवाई करनी है, लेकिन मुख्यमंत्री इन्हें नहीं मानने के साफ संकेत दे चुके हैं। गहलोत ने पिछले गुरुवार को ही कहा था कि पेपरलीक पर मुआवजे की मांग बुद्धि का दिवालियापन है। सचिन पायलट ने आज फिर से तीनों मांगों को दोहराकर साफ कर दिया है कि वे अल्टीमेटम से पीछे नहीं हटेंगे। अब हाईकमान ने दखल नहीं दिया तो पायलट के पास आंदोलन के अलावा विकल्प नहीं बचेगा।

आरपीएएसी के कामकाज, नियुक्तियों में आमूलचूल बदलाव लाना होगा

पायलट ने कहा- जहां तक आरपीएससी है, वहां पर काफी पद खाली पड़े हैं। कुछ नियुक्तियां ऐसी हैं, जो बेहतर हो सकती हैं। इसलिए उसका आमूलचूल परिवर्तन लाना जरूरी है। आरपीएससी के कामकाज में आमूलचूल बदलाव लाने की जरूरत है। हमारे लाखों बच्चे हैं, बड़ी मुश्किल से शहरों में जाकर मकान किराए कमरे पर लेकर पढ़ाई करते हैं। पैसे खर्च करते हैं, साल दर साल मेहनत करते हैं ,उनके साथ धोखा हो जाता है तो उन लोगों के आर्थिक रूप से मदद करें यह मुद्दा उठाया था। मैं समझता हूं इस मुद्दे पर सरकार कार्रवाई करेगी। पायलट ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- राजस्थान में प्रधानमंत्री बार-बार आ रहे हैं। उनके आने से यह साफ दिख रहा है कि राजस्थान भाजपा का नेतृत्व विपक्ष की भूमिका निभाने में सक्षम नहीं है। पिछले साढे 4 साल में सदन के अंदर और बाहर भाजपा ने यह कहीं प्रमाण नहीं दिया कि वह मजबूर विपक्ष है। बीजेपी के पास विधायकों की संख्या ठीक-ठाक है, फिर भी विपक्ष की भूमिका नहीं निभाई। विपक्ष से जनता उम्मीद करती है। एक प्रभावशाली विपक्ष लोकतंत्र की बहुत बड़ी जरूरत है, उसमें बीजेपी पूरी तरह फेल हुई है। बीजेपी में आपस में इतनी खींचतान है, इससे जनता भी भाजपा से निराश है। पीएम बार-बार यहां आ रहे हैं, लेकिन जनता इस बार उनसे प्रभावित होने वाली नहीं है।

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागरजी का आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव संपूर्ण देश में मनाया जाएगा

वर्ष 2024-2025 में होंगे भव्य आयोजन। आ.वर्धमानसागरजी के सान्निध्य में देशभर के श्रावक श्रेष्ठीयों की हुई राष्ट्रीय सभा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

बीसवीं सदी में दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति के प्रथामाचार्य चारित्र चक्रवर्ती 108 आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठान का 100वां वर्ष 2024 में प्रारंभ होगा। आचार्य पद प्रतिष्ठापन के 100वें वर्ष को आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव के रुप में सन् 2024-25 में भव्य विशाल स्तर पर वैचारिक आयामों के साथ संस्कृति संवर्धन, सामाजिक सरोकार के बहुउद्देशीय पंचसूत्री कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के आयोजन के लिए विस्तृत रुपरेखा व कमेटी गठन के लिए परम्परा के पंचम पट्टाधीश राष्ट्रगौरव, वात्सल्यवारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमानसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में देश के समस्त श्रावक श्रेष्ठीयों की राष्ट्रीय सभा उदयपुर के नागेन्द्र भवन में 27 मई 2023 को संपन्न हुई।

संस्कार ही संस्कृति को जीवित रखते हैं: आचार्य श्री वर्धमानसागरजी

विशाल राष्ट्रीय सभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज ने कहा कि आचार्य शांतिसागरजी महाराज ने सन 1934 का चातुर्मास उदयपुर में किया था। उन्हीं के संस्कार उनकी संस्कृति रक्षण की भावना के संस्कार संपूर्ण देश में व्याप्त होकर जैनत्व व श्रमण दिगम्बरत्व को जीवित रखे हुए है। संस्कृति को जीवित रखने में संस्कारों का बड़ा महत्व है, आज हम सब आचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज के संस्कार व उपकारों से प्रभावित हैं। उनका गुणगान करने उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव संस्कृति संरक्षण व सामाजिक सरोकार का माध्यम बनेगा। संघस्थ मुनिश्री हितेन्द्रसागरजी महाराज ने आचार्यश्री के जीवन परिचय से अवगत कराते हुए कहा कि वे दक्षिण भारत से निकले ऐसे सूर्य थे जिन्होंने मिथ्यात्व की अवधारणा से मुक्ति दिलाने का कार्य किया। गर्व से कहेंगे की हम जैन हैं यह सूत्र हमें आचार्य शांतिसागरजी ने दिया। देशभर से आए श्रेष्ठी व उदयपुर समाजजनों की राष्ट्रीय सभा में मंगलाचरण सीमा गोधा ने किया। चित्र अनावरण व आचार्यश्री वर्धमानसागराजी का पाद प्रक्षालन सर्वश्री अशोकजी पाटनी आर.के.मार्बल, अनिल सेठी, राजेन्द्र कटारिया, संजय पापड़ीवाल आदि ने किया। स्वागत भाषण श्री शांतिलाल वेलावत उदयपुर ने दिया। आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव की प्रस्तावना रखते हुए प्रतिष्ठाचार्य पंडित श्री हसमुख जैन धरियावद ने कहा कि दुनिया को संल्लेखना का जीवन पाठ पढ़ाने वाले आचार्य शांतिसागरजी का उपकार हम भूल नहीं सकते। शताब्दी वर्ष में पंच सूत्री कार्यक्रम में आचार्य शांतिसागरजी महाराज का जीवन चरित्र जन-जन तक पहुंचाना, उनकी कीर्ति स्थापना हेतु कीर्ति फलक स्तूप निर्माण, सेवा संकूल के रुप में पाठषालाओं का निर्माण व उन्नयन, व्यायामषालाओं का निर्माण, राष्ट्रीय जनगणना में जैन लिखवाने की अनिवार्यता हेतु जागरुकता कार्यक्रम स्वावलंबन योजना के माध्यम से आर्थिक विपन्न समाजजनों का स्वरोजगार आदि प्रकल्पों हेतु सहायता देना। उच्च षिक्षा में आर्थिक बाधाओं को दूर करना आदि अनेकों आयोजन होंगे ।

कुकिंग क्लास शिविर में सीखे नई व्यंजन और मोकटेल विधियां

उदयपुर. शाबाश इंडिया। इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में बुधवार को कुकिंग क्लास शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम संयोजिका बेला जैन ने बताया कि क्लब प्रेसिडेंट रश्मि पगारिया ने कुकिंग क्लास का शुभारंभ करते शेफ निर्मला सोनी को किचन मलिका की उपाधि से सम्मानित किया। बाद में शैफ निर्मला ने विभिन्न प्रकार की आइसक्रीम, मॉकटेल, रसीला गुलाब, पिंक लेडी, स्टार्टर में फलाफल- हमस, चीज ब्लास्ट, मैंगो मूज जैसी कई रेसिपी और व्यंजन तैयार करना सिखाए। कार्यक्रम में पुष्पा कोठारी, अरुणा जावरिया, रेखा जैन, अनू खिमेसरा, सहित अन्य कई प्रतिभागी उपस्थिति रही। गौरतलब है कि इस शिविर में 100 से अधिक बालिकाओं एवं महिलाओं के अलावा अमेरिका सहित देश भर के विभिन्न प्रदेशों से भी ऑनलाइन मेंबर भी जुड़े। इस मौके पर प्रेसिडेंट रश्मि पगारिया ने कहा कि मां और दादी नानी भी घर पर बच्चों को पारंपरिक शुद्ध व्यंजन बनाकर स्वस्थ रख सकती हैं, साथ ही नई पीढ़ी की बहु - बेटियों को पारंगत भी कर सकती हैं। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

कल होगा आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का नगर प्रवेश

जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान मे दिया तैयारियों को अंतिम रूप। भोपाल से विदिशा होते हुए अशोक नगर पधारेंगे संत

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के मंगल प्रवेश की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की वैठक श्री वर्धमान धर्मशाला में गत दिवस सम्पन्न हुई इसके पहले पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल की अध्यक्षता में वैठक का आयोजन किया गया जिसमें महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ को पंचायत कमेटी ने भोपाल पहुंचकर श्री फल भेंट किए थे। आचार्य संघ का मंगल आगमन हो रहा है हम सब मिलकर आचार्य संघ की भव्य आगवानी करे । जैन युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि वर्षो वाद आचार्य संघ का अशोक नगर आगमन हो रहा है हम सब मिलकर ऐसा कुछ करे जिससे अशोक नगर जैन समाज की शान बढ़े। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने

कहा कि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ अठराह मुनि राज का अशोक नगर में भव्य मंगल प्रवेश होने जा रहा है हम सब जैन युवा वर्ग अरिहंत ग्रुप जैन जाग्रति मंडल जैन मिलन जैन सोशल ग्रुप के साथियों सहित सभी युवा मंडलों को एक साथ लेकर मुनि संघ की भव्य सब मिलकर करेंगे तो एक अलग ही प्रभावना होगी। समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल एवं महामंत्री राकेश, निर्मल मिर्ची, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उमेश सिघई विपिन सिंघाई अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया।

श्री हरिरात्मक महायज्ञ में यजमानों ने दी 2 लाख 71 हज़ार आहुतियां

रामकथा में सुनाया माता जानकी के हरण व लंकादहन का प्रसंग, रासलीला में हुआ नागनाथन काली दह की लीला का मंचन

विराटनगर. शाबाश इंडिया

श्री पंच खंडपीठ पावन धाम में श्री पंच खंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सानिध्य में चल रहे 108 कुंडीय श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ में बुधवार को अयोध्या धाम के यज्ञाचार्य गणेश दास महाराज एवं उपाचार्य पंडित गोपाल शुक्ल में आचार्यत्व मे विद्वान पंडितो ने प्रदान कुंड पर विराजित संतोष जैन सहित 141 यजमानों को 2 लाख 71 हजार आहुतियां दिलवाई, आज तक 13 लाख 61 हजार आहुति दिलवाई जा चुकी है।

श्रद्धालुओं ने लिया संतो से आशीर्वाद

यज्ञ में पधारे रेवासा धाम के राघवाचार्य जी महाराज एवं काला कोटा धाम से पधारे बलदेव दास जी महाराज से अनेक श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया।

रामकथा में सुनाया जानकी के हरण और लंका दहन का प्रसंग

यज्ञ में आयोजित रामकथा के दौरान कथा वाचक गणेश दास महाराज ने जानकी के हरण और लंका दहन प्रसंग के अंतर्गत पंचवटी पर विश्राम कर रहे भगवान राम माता जानकी व लक्ष्मण के पास रावण की बहिन सूर्पनखा ने आकर उनसे विवाह करने की इच्छा जताई परन्तु उनके इनकार करने के बावजूद भी सूर्पनखा द्वारा हठ करने पर लक्ष्मण ने उसके कान नाख भीद डाले इस बात को लेकर भगवान राम और खरदूषण के मध्य भयंकर

युद्ध हुआ जिसमें खरदूषण सहित अनेक राक्षसों का वध भगवान राम द्वारा किया गया। सूर्पनखा ने जब यह समाचार लंकाधीपति रावण को सुनाया तो उसने मामा मारीच को मृग का वेश बनाकर माता जानकी का हरण करवाया भगवान राम और लक्ष्मण जानकी को ढूंढते ढूंढते किसकीन्दा पहुँचकर हनुमान की सहायता से वानर राज सुग्रीव से मित्रता की सुग्रीव अपने भाई बाली से अपनी भार्या एवं राज सिंहासन हड़पने से पीड़ित था जिस पर भगवान ने बाली का वध कर सुग्रीव को पुनः राजसिंहासन पर बिठाया तथा बाली के पुत्र अंगद को युवराज का पद दिलवाया वही सुग्रीव ने समस्त वानर भालूओं को चारों दिशाओं में भेजकर माता जानकी की खोज का आदेश दिया जिसपर हनुमान भगवान ने लंका में प्रवेश कर अशोक वाटिका में विराजमान माता जानकी से भेंट की हनुमान ने माता जानकी से फल खाने की इच्छा जताई जिस पर उन्होंने लंका का दहन किया ।

रासलीला में किया नागनाथन काली दह लीला का मंचन

संस्थापक शंकर लाल वैष्णव के संयोजन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाल राम कृष्ण लीला संस्थान मथुरा से आये हुए कलाकारों के द्वारा नागनाथन काली दह लीला का मंचन किया गया जिसमें रमणतदीप से आया हुआ कालियानाथ जमुना जी मे रहने लगा नारद जी के कहने से कंश में नंद बाबा के यहाँ पत्रिका भेजकर कहा कि प्रातः 4 बजे एक करोड़ नील कमल के फूल रंगेस्वर महादेव पूजा के लिए कालीदह के कहने से आजाने चाहिए यदि फूल नही आये तो नव नंदो को पकड़कर काराग्रह में डलवा दिया जाएगा तथा कृष्ण व बलराम को कुवड़िया हाथी के पैरों तले दबवा दिया जाएगा भगवान कृष्ण ने कालिया नाग को नाथ कर लाये और जमुना का जल निर्मल किया। यज्ञ समनवयक मामराज सोलंकी ने बताया कि यज्ञ के दौरान पावन धाम सेवा समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें करीब 35000 लोगो ने पंगत प्रसादी पाई। यज्ञ व्यवस्थाओं को लेकर सैकड़ो स्वयंसेवको व स्काउट्स ने अपनी अपनी सेवाएं दी। हरिराम मासी द्वारा कार्यक्रम के दौरान लोक गीतों की प्रस्तुति दी । 2 जून को यज्ञ की पुणार्हुति होगी।

स्कूल स्तर पर हो लिपियों का ज्ञान : डॉ. कोचर

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान संस्कृत अकादमी वैदिक हेरिटेज और पाण्डुलिपि शोध संस्थान जयपुर की ओर से पंच दिवसीय पाण्डुलिपि प्रशिक्षण कार्यशाला बीकानेर में हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि कला संस्कृति मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने प्राचीन ग्रंथों का उपचार वैज्ञानिक पद्धति से किए जाने पर राजस्थान संस्कृत अकादमी के कार्यों की सराहना की। इस दौरान राजस्थान संस्कृत अकादमी अध्यक्ष डॉ. सरोज कोचर ने कहा कि स्कूल स्तर पर प्राचीन लिपियों का ज्ञान कराया जाना अत्यंत आवश्यक है , जिससे हमारी नवीन पीढ़ी प्राचीन ग्रंथों को पढ़ सके व भारतीय संस्कृति का संरक्षण दीर्घ काल तक किया जा सके। राजस्थान संस्कृत अकादमी निदेशक डॉ. राजकुमार जोशी ने प्राचीन ग्रंथों पर अनुसंधान कार्य किए जाने की दिशा में अकादमी के प्रयासो के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पाण्डुलिपि समन्वयक डॉ. सुरेंद्र शर्मा नें बताया कि राजस्थान संस्कृत अकादमी नें 5000 पाण्डुलिपियों का संरक्षण कार्य किया बीकानेर में 150000 पाण्डुलिपियों पर कार्य करने का लक्ष्य तय किया है ।

वेद ज्ञान

न करें बुराई

हर व्यक्ति की आकांक्षाएं, सपने, इच्छाएं और शौक होते हैं। कई बार व्यक्ति के शौक उसके व्यक्तित्व के विपरीत होते हैं। मसलन साधारण रूप-रंग वाले भी मॉडलिंग और फिल्म जगत में अपना नाम कमाने की इच्छा रखते हैं, लेकिन कई यह सोचकर इस बात को अपने दिल के कोने में दबा देते हैं कि उनकी इस इच्छा को देखकर लोग उनके बारे में क्या कहेंगे? इसी तरह यदि कोई व्यक्ति कुप्रवृत्तियों की चपेट में आकर गलती कर बैठता है तो उसका पूरा परिवार स्वयं को समाज से काटकर तनाव का शिकार होकर घातक कदम उठा लेता है। इस बारे में एक प्रसिद्ध विद्वान ने यह निष्कर्ष निकाला था कि 'लोग क्या कहेंगे' यह बात व्यक्ति अपने मन से निकाल दें, क्योंकि लोग किसी के बारे में कुछ नहीं सोचते हैं। यदि सोचते तो दुनिया में परेशानी नाम की कोई चीज नहीं होती। जिनका काम सिर्फ कुछ न कुछ कहना है, वह तो कहते ही रहेंगे। इसलिए सोचने के बजाय आप अपना काम करें, क्योंकि वह न तो आपकी सफलता के लिए मदद करेंगे और न ही असफलता में मदद करने आएंगे। डेल कारनेगी अपनी पुस्तक हाऊ टू स्टॉप वरिंग एंड स्टार्ट लिविंग में लिखते हैं कि हममें से ज्यादातर लोग निंदा के छोटे-छोटे तीरों और भालों को जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लेते हैं। अक्सर निंदा करने वाले लोग नकारात्मक भावों से ग्रस्त रहते हैं और अपने जीवन को भी बोझ बना लेते हैं। इसके विपरीत सफल, प्रसन्न, स्वस्थ और प्रभावशाली व्यक्ति हर समय सकारात्मक और ऊर्जायुक्त विचारों का ही प्रयोग करते हैं। इसलिए वे बाधाओं पर भी सहजता से विजय पा लेते हैं। स्वास्थ्य अनुसंधानों से यह प्रमाणित हुआ है कि जो व्यक्ति सकारात्मक विचारों को महत्व देते हैं उनमें इंडोर्फिन नामक हार्मोन अधिक पाया जाता है। अरुणिमा सिन्हा ने जब एक दुर्घटना के बाद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की बात कही तो निंदकों ने उन्हें मानसिक रूप से बीमार तक कह डाला था। उन्होंने निंदा की चिंता न करते हुए इस बात की चिंता की कि वह कैसे एवरेस्ट के शिखर तक पहुंच सकती हैं। इसलिए जब कोई आपकी निंदा करे तो धैर्य, मुस्कराहट का छाता खोलकर निंदा की बारिश से स्वयं को बचाएं और जीवन सफल बनाएं।

संपादकीय

बेरहमी से दबा दी गई पहलवानों की आवाज

पहलवानों के विरोध प्रदर्शन को दिल्ली पुलिस ने उसी तरह कुचल दिया, जैसे कुछ साल पहले रामलीला मैदान में चल रहे बाबा रामदेव के आंदोलन को रात में खत्म करा दिया था। कुछ दिनों पहले पहलवानों ने एलान कर रखा था कि जिस दिन नए संसद भवन का उद्घाटन होगा, उस दिन महिलाएं वहां पहुंच कर पंचायत करेंगी। इसके लिए देश भर से महिलाओं के दिल्ली पहुंचने का आह्वान भी किया गया था। महिला पंचायत की रूपरेखा भी घोषित कर दी गई थी कि कोई भी हिंसक बर्ताव नहीं करेगा। अगर पुलिस बर्बरता करती है, तो भी सत्याग्रह का रास्ता नहीं छोड़ा जाएगा। हालांकि दिल्ली पुलिस ने उनसे अनुरोध किया था कि वे नए संसद भवन के आसपास न पहुंचें। मगर पहलवानों ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नए संसद भवन की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया। फिर पुलिस ने बल प्रयोग किया और पहलवानों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ कई धाराएं लगा दीं। जंतर मंतर पर उनके तंबू

उखाड़ दिए गए। वहां से उनका सारा सामान उठा कर जगह खाली करा ली गई। अब पुलिस का कहना है कि पहलवान जंतर मंतर पर धरना नहीं दे सकेंगे। अगर वे धरना देना चाहते हैं, तो उन्हें नए सिरे से इजाजत लेनी पड़ेगी, मगर पुलिस तय करेगी कि उन्हें धरने के लिए कहां जगह उपलब्ध कराई जाए। हालांकि पहलवान अब भी जंतर मंतर पर ही धरने की मांग पर अड़े हैं, मगर पुलिस ने एक तरह से उनके आंदोलन को कुचल दिया है। इस तरह कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगे महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण का मामला भी किनारे हो गया है। इस साल फरवरी में महिला पहलवानों ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए धरना शुरू किया था। तब बृजभूषण शरण सिंह को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था और इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी गई थी। मगर समिति ने कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया, जिसके चलते खिलाड़ी पिछले महीने फिर से धरने पर बैठ गए थे। उन्हें व्यापक समर्थन मिला। हैरानी की बात है कि इतना गंभीर आरोप लगने के बावजूद दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई, तो उसने दिल्ली पुलिस को फटकार लगाई। तब बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। उसमें पाक्सो कानून की धारा भी लगी हुई है, जिसके तहत आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी अनिवार्य है। मगर मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस चुप्पी साधे रही और बृजभूषण शरण सिंह मुक्त घूमते और खिलाड़ियों के खिलाफ बयान देते रहे। दिल्ली पुलिस के रवैए से पहले ही साफ था कि वह खिलाड़ियों को थकाना चाहती है, ताकि वे अपना धरना खुद उठा लें। ऐसा नहीं हुआ, तो उसे नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में बाधा पहुंचाने का बहाना हाथ लग गया और उसने उनके आंदोलन को तहस-नहस कर डाला। यह ठीक है कि शहर की कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह की गरिमा की रक्षा करने का दायित्व उस पर था। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नदियों की स्वच्छता

नदियों के पानी की गुणवत्ता में लगातार गिरावट और उनके विषाक्त होने को लेकर लगातार जताई जाने वाली चिंता के बरक्स हालत यह है कि यमुना और गंगा जैसी नदियों का पानी भी कई जगहों पर उपयोग के लायक नहीं रह गया है। जबकि इन नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए कई योजनाएं बनाई गईं और अकूत धन खर्च किए गए। मगर हकीकत सब जानते हैं कि इन नदियों की दशा क्या है। विडंबना यह है कि नदियों के लगातार प्रदूषित होते जाने को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके मूल कारकों पर गौर करने और उन पर रोक लगाने को लेकर वादों और घोषणाओं से आगे बात नहीं बढ़ पाती। घरों से लेकर कारखानों तक से निकलने वाला पानी कई बार खतरनाक रसायनों से घुला होता है और वह नालों से चलते हुए नदी में मिल कर प्रदूषण और पर्यावरण की एक जटिल तस्वीर बनाता है। इस तरह के कारणों पर लंबे समय से नजर रहने के बावजूद नदियों को प्रदूषित करने वाले इस कारक की अनदेखी की गई। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि दिल्ली में कपड़ों की रंगाई करने वाले अवैध कारखानों की वजह से भी यमुना के जीवन को किस स्तर का नुकसान हो रहा है। लेकिन कई बार इस ओर ध्यान जाने के बावजूद ऐसे अवैध कारखानों पर रोक लगाने की ठोस पहल नहीं हुई। अब राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त निगरानी समिति, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (जीपीसीसी) को राष्ट्रीय राजधानी में रंगाई के अवैध कारखानों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यों जिन इलाकों में इस तरह की अवैध रंगाई इकाइयां संचालित करने की शिकायतें आई थीं, वहां लंबे समय से ऐसा चल रहा था। हैरानी की बात यह है कि संबंधित महकमों की ओर से किसी भी इलाके में हर गतिविधि की निगरानी करने के दावों के बावजूद ऐसी शिकायतें अक्सर आती रहती हैं। एनजीटी ने जिस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, उसमें दावा किया गया है कि दिल्ली के बिंदापुर, मटियाला, रणहौला, ख्याला, मीठापुर, बदरपुर, मुकुंदपुर और किरार इलाकों में बिना अनुमति के रंगाई कारखाने चलाए जा रहे हैं। कई बार इंसानी आबादी वाले इलाकों में भी बिना इजाजत के संचालित रंगाई और धुलाई के ऐसे कारखानों में जिन रसायनों का प्रयोग किया जाता है, उसके जोखिम से आम लोग अनजान ही रहते हैं। जबकि ऐसे रसायनों को नालों में बहाने से होने वाले प्रदूषण के चलते स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। इसकी वजह से पीने के पानी से लेकर वायु तक प्रदूषित हो जा सकता है। दिल्ली के कई नालों में बहते हुए ये खतरनाक रासायनिक कचरे यमुना में जाते हैं, जो पहले ही कई अन्य वजहों से प्रदूषण की गहरी समस्या से जूझ रही है। कायदे से होना यह चाहिए कि प्रदूषण फैलाने वाली ऐसी इकाइयों को अवैध तरीके से संचालित करने से पहले रोका जा पाता, लेकिन अगर कभी इनके खिलाफ कार्रवाई होती है तो उससे बचने के लिए भी इनके मालिकों का शायद कोई तंत्र बना हुआ है। जाहिर है, ऐसे कारखानों की वजह से न केवल यमुना का पानी और भूजल प्रदूषित हो रहा है, बल्कि ये सरकारी तंत्र के सामने आर्थिक नुकसान का भी एक बड़ा जरिया बनते हैं, जिनके कारोबार का आमतौर पर कोई हिसाब-किताब नहीं होता।

देव पुजा गरु उपासना करने से ही मेवा मिलेगा : आचार्य विवेक सागर जी

कुचामन. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुचामन में विशाल धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए सप्तम पट्टाधीश आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज ने अपनी मृदु वाणी में कहा कि जगत के प्राणी मन की तृप्ति चाहते हैं तन की तृप्ति तो अनेकों बार हो गई लेकिन मन की तृप्ति नहीं हुई लेकिन मन नहीं माना संसार के पदार्थों में हम संसार की तृप्ति को खोजेंगे तो नहीं होगी मन की तृप्ति के साधन को नहीं पहचान पाए । आप लोग कहते है वास्तविकता में वो भी गृहस्थ थे पुण्य के भोग के नीचे ही पाप की जड़ हुआ करती है और जब उदय में आएगा तो पाप ही आएगा पाप के उदय में भी अच्छी वस्तु भी बुरी लगती हैं। हर व्यक्ति पुण्य के फल को चाहता है पाप के फल को कोई नहीं चाहता है लेकिन पुण्य करना नहीं चाहता पाप को छोड़ना नहीं चाहता ।फल पुण्य का चाहते हैं लेकिन क्रिया पाप की करेंगे तो कभी संभव नहीं है। चित की विचित्रता अनेक प्रकार की होती है सुख का साधन जीवन के कितना अपनाने का प्रयास किया इतने बड़े बड़े जिनालय बने हैं । पूर्वजों ने तुम्हारे लिए इसलिए बनवाए कि तुम कही कुलाचार से न भटक जाए लेकिन आज आप लोगो के पास तो मंदिर आने का टाइम नहीं है घर की जमीन पर नाम चल रहा है तुम्हारा वो तुम्हे वसीयत में मिली है जिस पर किसी का नाम नहीं है वह विरासत में मिला है । संस्कार भी विरासत में मिले हुए हैं लेकिन हम उनको सुरक्षित नहीं रख सकते तो जीवन धिक्कार है श्रावक के शट कर्तव्य है देव पूजा,गुरु उपासना दो कर्तव्य मे तो सेवा का ही कहा है सेवा करने से ही मेवा मिलेगा सेवा करते समय चित्त में प्रसन्नता होगी तो जीवन आनंद से भर जाएगा सेवा के स्थान को छोड़ दोगे तो तृष्णा में पड़ जाओगे। इसलिए प्रसन्न चित्त होकर सेवा करे और मेवा पाए। श्री दिगम्बर जैन समाज कुचामन सिटी के भक्तो ने सप्तम पट्टाधीश आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में 2023 का वषायोग कुचामन में हो इसी भावना से श्रीफल अर्पित करते नागोरी मन्दिर के अध्यक्ष सुमेर मल बज , कैलाश पांड्या, अजित पहाड़ियां, विमल , बिनोद, नरेशकुमार झांझरी अजमेरी मन्दिर जी से राजकुमार सेठी, सुरेन्द्र काला, श्री महावीर मंदिर डीडवाना रोड से चिरंजीलाल पाटोदी, कमल दादा, विमल चन्द पहाड़ियां, श्री जैन वीर मण्डल के सोभागमल गंगवाल, सुभाष पहाड़ियां, पवन गोधा, जैन स्कूल पलटन गेट से सन्तोष पहाड़ियां, अशोक अजमेरा व समाज के सभी गणमान्य श्रावक-श्राविकाओं ने आचार्य श्री को कुचामन में वर्षायोग हेतु श्रीफल भेंट किया।

श्रीमती स्नेहलता जैन 'सोगानी' "प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश" अवार्ड पुरस्कृत

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

भोपाल। गरिमामय कार्यक्रम में उज्जैन रीजन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मेंन उज्जैन की निवृत्तमान अध्यक्षा एवं उपाध्यक्ष फेडरेशन श्रीमती स्नेहलता जैन 'सोगानी' उज्जैन को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कर कमलों से ''प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश'' अवार्ड से नवाजा गया । उनकी इस उपलब्धि पर पुरा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन परिवार गौरवान्वित हुआ। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू/संजीव जैन सजिवनी, दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, सुशील पांड्या, हंसमुख गांधी, टीके वेद, परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सारिका जैन ने भी बंधाई दी।

धर्म परायण नगरी डिग्गी की पावन धरा पर आज दो मुनि संघों का हुआ भव्य मिलन

डिग्गी, मालपुरा. शाबाश इंडिया। धर्म परायण नगरी डिग्गी की पावन धरा पर आज दो मुनि संघों का भव्य मिलन हुआ, कार्यक्रम में जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबु गोधा फागी ने शिरकत करते हुए बताया कि आज बाला चार्य 108 श्री निपूर्णनंदी जी महाराज संसंघ लावा कस्बे से मंगल विहार करके डिग्गी कस्बे के पास नुक्कड़ पर पहुंचे जहां पर अग्रवाल समाज 84 ने बैंड बाजा के द्वारा संघ की भव्य आगवानी की ओर जयकारों के साथ डिग्गी कस्बे के पास नव निर्मित शांतिनाथ जिनालय पर संघ को जुलूस के रूप द्वारा लाया और संघ का पाद प्रक्षालन किया गया गया तथा क्षेत्र पर पूर्व में विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री 108 इन्द्रनंदी जी महाराज ससघ सहित दोनों संघो का भव्य मिलन हुआ । गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में स्वर्गीय श्रीमती चांद देवी एवं स्वर्गीय श्रीमान हंसराज जी जैन मारू जी लांबा वालों की पुण्य स्मृति में नव निर्मित भव्य संत साधना केंद्र एवं विशाल श्रावक आतिथ्य सदन का 1 जून 2023 को भव्य लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम को संपन्न करवाने हेतु आज प्रातः जिनेंद्र आज्ञा , गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, के बाद कार्यक्रम के पुण्यार्जक परिवार श्रीमती राज जैन एवं गोविंद जैन सहित समस्त मारूजी लाम्बा वाले परिवार जनों ने झंडारोहण करके कार्यक्रम की शुरूआत की, कार्यक्रम में मुनि संघों के पावन सानिध्य में विधानाचार्य पंडित मनोज शास्त्री के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा दोपहर को श्रीवास्तु विधान, एवं शांति विधान पूजन हुआ पूजन में 251 पूज्यार्थियो द्वारा पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया गया।

सारे जग में डंका बाजे मेरे खाटू वाले का, खाटू वाले श्याम तेरा सच्चा दरबार है

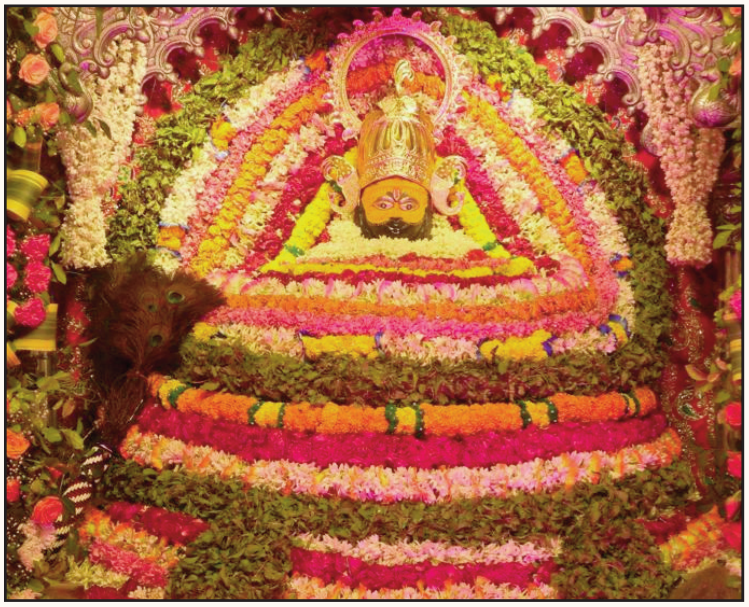

श्याम मंदिर के 26वें वार्षिकोत्सव पर देर रात तक बही भजनों की रसधारा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्याम प्रभु की आराधना में भक्ति रस की ऐसी धारा बही की भक्त साथ में झूमते चले गए। मंच पर गायक श्याम बाबा की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दे रहे थे तो मंच के समक्ष सैकड़ो श्याम भक्त भजनों की सरिता में डूबकियां लगा स्वयं को धन्य मान रहे थे। ये नजारा 30 मई मंगलवार रात श्याम भक्तों की आस्था के प्रमुख केन्द्र भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर सी सेक्टर स्थित श्री श्याम मंदिर के 26वें वार्षिकोत्सव के तहत श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति के तत्वावधान में आयोजित विशाल भजन संध्या के दौरान दिखा। देर रात तक चली भजन संध्या में वॉइस ऑफ इंडिया विनर सुमित सैनी एवं जयपुर के आयुष सोमानी ने श्याम बाबा की भक्ति के विभिन्न रंगों से ओतप्रोत एक से बढ़कर एक भक्तिरस से सराबोर कर देने वाले भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बनाया। हर भजन के साथ श्याम बाबा के जयकारे भी गूंजायमान होते रहे। सुमित सैनी ने तेरी रहमतों का दरिया सरे आम चल रहा, कितना सोना तेरा दरबार सजाया, सारे जग में डंका बाजे मेरे खाटू वाले का, मेने मोहन को बुलाया वो आता होंगा, हम बाबा के आशिक है आदि भजनों व गीतों की प्रस्तुति देकर श्याम बाबा के श्रीचरणों में भक्ति व श्रद्धा के पुष्प समर्पित किए। गायक आयुष सोमानी द्वारा प्रस्तुत पलको का घर तैयार सांवरे, तेरे दर पर आकर मुझे क्या मिला, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है, खाटू वाले श्याम तेरा सच्चा दरबार है आदि भजनों पर श्याम भक्त जमकर थिरकते रहे। कथा के शुरू में भगवान श्याम बाबा की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। गायक महेंद्र सालासर ने भगवान शिव, भगवान गणपति, हनुमानजी महाराज की आराधना में भजनों की प्रस्तुति दी। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति के अध्यक्ष सुशील कन्दोई आदि ने भजन गायकों का स्वागत-सम्मान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के विभिन्न पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने समर्पित भाव से पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

श्याम बाबा की प्रतिमा का फूलों से विशेष श्रृंगार

वार्षिकोत्सव के तहत मंदिर में श्याम बाबा की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार करने के साथ फूलों से विशेष भव्य सजावट की गई है। मंदिर में स्थापित श्याम बाबा की प्रतिमा का बनारस व जयपुर से आए कलाकारों द्वारा देशी व विदेशी फूलों से श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को भी भव्य रूप से सजाया गया। गौरतलब है कि हर वर्ष 30 मई को होने वाला श्री श्याम मंदिर का वार्षिकोत्सव भीलवाड़ा के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शुमार हो चुका है। इस वार्षिकोत्सव के मौके पर श्री श्याम बाबा के प्रति अपनी भक्ति व आस्था का इजहार करने के लिए देश के ख्यातनाम भजन गायक आकर प्रस्तुतियां देते रहे है। श्याम भक्तों को पूरे वर्ष इस आयोजन का विशेष इन्तजार रहेता है।

जयपुर जैन समाज के लगभग ढाई सौ बच्चे करेंगे अपनी कला का प्रदर्शन

शहर के 9 स्थानों पर लगभग 250 बच्चों की ड्रामा, डांस, पेंटिंग, क्राफ्ट, मास्क मेकिंग, स्किल डवलपमेंट, पर्सनेलिटी डवलपमेंट, डिक्शन, कॉन्फिडेंस इनक्रीज सहित करीब 24 सब्जेक्ट्स की कार्यशाला में

1 जून से 30 जून तक चलेगी कार्यशाला

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन समाज के बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखार कर बाहर निकालने और उन्हें एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से समाज श्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद पहाड़िया के आशीर्वाद व सहयोग से अरिहंत नाट्य संस्था द्वारा एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। शहर के 9 स्थानों पर लगभग 250 बच्चों की ड्रामा, डांस, पेंटिंग, क्राफ्ट, मास्क मेकिंग, स्किल डवलपमेंट, पर्सनेलिटी डवलपमेंट, डिक्शन, कॉन्फिडेंस इनक्रीज सहित करीब 24 सब्जेक्ट्स की कार्यशाला एक साथ लगाई जा रही है जिसमें ललित कला अकादमी, जवाहर कला केन्द्र और रविन्द्र मंच के अनुभवी 15 इंस्ट्रक्टर बच्चों को खेल ही खेल में इन सारे विषयों में पारंगत करेंगे, इनका व्यक्तित्व निखारेंगे और उनकी झिझक खोल उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की सीख प्रदान करेंगे। 1 जून से 30 जून तक चलने वाली इन कार्यशालाओं में प्रत्येक सेंटर के बच्चों से एक सोशियल ड्रामा, जो कि बच्चों से ही रिलेटेड सब्जेक्ट पर होगा, तैयार किया जाएगा। 28, 29 और 30 जून को सभी 9 सेंटर्स के बच्चों द्वारा तैयार नाटकों का महावीर स्कूल के ऑडिटोरियम में मंचन किया जाएगा। साथ ही बच्चों द्वारा इस एक महीने में तैयार किये गए डांस की प्रस्तुति भी दी जाएगी। इस बीच पूरे महीने सीखे गए पेंटिंग, क्राफ्ट, आर्ट और मास्क मेकिंग से संबंधित जो भी क्रिएशन बच्चों द्वारा किया जाएगा उनकी एक विशाल एक्जीबिशन भी महावीर स्कूल में लगाई जाएगी। कार्यशाला निर्देशक व आयोजक अजय जैन मोहनबाड़ी ने बताया की सम्पूर्ण जैन समाज मे इस तरह का आयोजन पहली बार हो रहा है, ये एक अति महत्वपूर्ण पहल है, इसलिये इस सम्पूर्ण आयोजन का नाम भी ए.आर.एल प्रजेंट्स पहल- थियेटर एंड पर्सनेलिटी डवलपमेंट वर्कशॉप रखा गया है। समाज श्रेष्ठी नंदकिशोर , प्रमोद पहाड़िया के महत्वपूर्ण आशीर्वाद और समाज के अन्य सहयोगी पुण्यार्जक श्रीमती किरण अशोक बगड़ा,डॉ. एम.एल.जैन मणि, श्रीमती आशा राजेन्द्र शाह द्वारा दिये गए सहयोग से समाज के अनेकों बच्चे इस कार्यशाला में मानसिक, सामाजिक और धार्मिक रूप से मजबूत होंगे और उनमें आया फर्क उनके पेरेंट्स को साफ नजर आएगा। कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक श्रीमती शीला डोडिया ने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन जयपुर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभ जी दुगार्पुरा,अनुप्रिया ए-13- 80 फिट रोड महेश नगर, श्री चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 10 मालवीय नगर, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट मानसरोवर,श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर विवेक विहार,बीकन पब्लिक स्कूल मुरलीपुरा, धूप छावं फाउंडेशन, वैशाली नगर में किया जा रहा है। साथ ही समन्वयक डॉ. वन्दना जैन व श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि बच्चों में धार्मिक संस्कारो के साथ-साथ सामाजिक संस्कारो का होना भी अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए इस कार्यशाला का आयोजन समाज के लिए खुशी की बात है,इस कार्यशाला की तैयारी हम पिछले 3 महीने से कर रहे है जिसके लिए हमने जयपुर में विभिन्न संयोजकों की टीम बनाई जिनमें मुख्य है श्रीमती चन्दा सेठी,श्रीमती रेणु पांड्या,श्रीमती सुनीता पांड्या, श्रीमती अनुप्रिया जैन,श्रीमती सरला बगड़ा, श्रीमती मैना देवी जैन,श्रीमती रौनक जैन,श्रीमती शिल्पी बगड़ा, श्रीमती अलका जैन,श्रीमती नीता जैन,श्रीमती भवंरी देवी जैन,श्रीमती कल्पना जैन,श्रीमती गुंजन जैन,श्रीमती वैशाली जैन,श्रीमती अंजना जैन,श्रीमती विनीता चौधरी जैन,राजेश चौधरी, हरक चंद जैन, विजय चंद कासलीवाल, हरिशंकर जैन, विमलेश राणा शामिल है। साथ ही कार्यक्रम को भव्य स्तर पर करने के लिए विभिन्न सहयोगी संस्थाओं श्री चंद्र प्रभ दुगार्पुरा ट्रस्ट, त्रिशला महिला संभाग दुगार्पुरा,श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति युवा संभाग महेश नगर इकाई,पार्श्वनाथ महिला संभाग, थड़ी मार्केट,श्री चन्द्रप्रभु प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी सेक्टर 10 मालवीय नगर, महिला मण्डल व अंजना सम्भाग विवेक विहार का भी हमे सहयोग मिला। लेखक और निर्देशक तपन भट्ट ने बताया कि इस ऐतिहासिक वर्कशॉप के पूर्व इन तक बच्चों को खेल ही खेल में सारे विषयों को सिखाने के लिए जिन इंस्ट्रक्टर का चुनाव किया गया उन्हें लगभग 7 दिन जवाहर कला केंद्र से जुड़े विशेष टीचर वरिष्ठ रंगकर्मी विशाल भट्ट द्वारा ट्रेंड किया गया ताकि वो अधिक बेहतर तरीके से बच्चों को समझ सकें और उन्हें सिखा सकें।

पुण्य के फल की कीमत करो :- गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

कोटा. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री पद्मप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर महावीर कालोनी कोटा के दर्शनार्थ गई। वहां पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा संपन्न हुई। तत्पश्चात पूज्य माताजी के धर्मोपदेश का लाभ प्राप्त हुआ। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि-संतों के दर्शन पुण्य से प्राप्त हुआ करते है। सूरज से दोस्ती करोगे तो सुबह से शाम, चांद से दोस्ती करोगे तो रात से सुबह तक और हम जैसे संतों से दोस्ती करोगे तो पहली मुलाकात से अंतिम मुलाकात तक। इन देव शास्त्र गुरु से मुलाकात करोगे तो पुण्य का संचय होगा। पुण्य आपके अतीत अनागत और वर्तमान को बदल सकता है। पूज्य माताजी ने कहा - आज के समय में हम पुण्य से डरते हैं पाप से नहीं। हम पाप करने में घबराते नहीं डरते नहीं लेकिन पुण्य करने में डरते हैं। भोजन में हमें जीरा धनिया मिर्च तेल सब दिखता बस नमक नहीं दिखाई देता जबकि भोजन को स्वादिष्ट वहीं बनाता है। वैसे ही देव शास्त्र गुरु की सेवा करने से ये पुण्य जुड़ता है भले वह दिखाई न दे पर फल अवश्य मिलता है। हम यदि देव शास्त्र गुरु पर विश्वास करके, श्रद्धा से दर्शन करके अपना व्यापार करें तो निश्चित तौर पर उन्हें दुगुना लाभ प्राप्त होगा। परन्तु हम पाप कर्म में प्रवृत्त है । घर - गृहस्थी के कार्य में इतने रमे हैं कि कोई कष्ट आ जाये तो खाना - पीना , व्यापार कुछ नहीं छूटता। बस धर्म छूटता है देव शास्त्र गुरु का साथ। इसलिए मेरा आप सभी से यही कहना है - जैसे सागर का पानी खारा होने के कारण कोई नही पीता और नदी के मीठे जल को सब ग्रहण करते हैं। वैसे ही देव शास्त्र गुरु की वाणी नदी के जल के समान है जिसको पीकर हम जीवन से तर सकते हैं। वर्तमान में आज बहुत लोग ऐसे हैं जो थाली में जूठन छोड़ते हैं वो भूल जाते हैं कि पुण्य से ही हमें भोजन मिलता है। बहुत से गरीब लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने न जाने कितने दिनों से भोजन नहीं किया। इसलिए अभी आपको जो मिला है उसकी कीमत करो । अन्न को नाली में मत बहाओ। आज से सभी यह नियम अवश्य लें कि हम थाली में जूठन नहीं छोड़ेंगे चाहे घर हो या शादी विवाह कहीं भी। उपस्थित जनसमूह ने हाथ उठाकर स्वीकृति दी और इस सत्य की सराहना कर गुरु मां की जयकारों से भवन को गुंजायमान कर दिया।

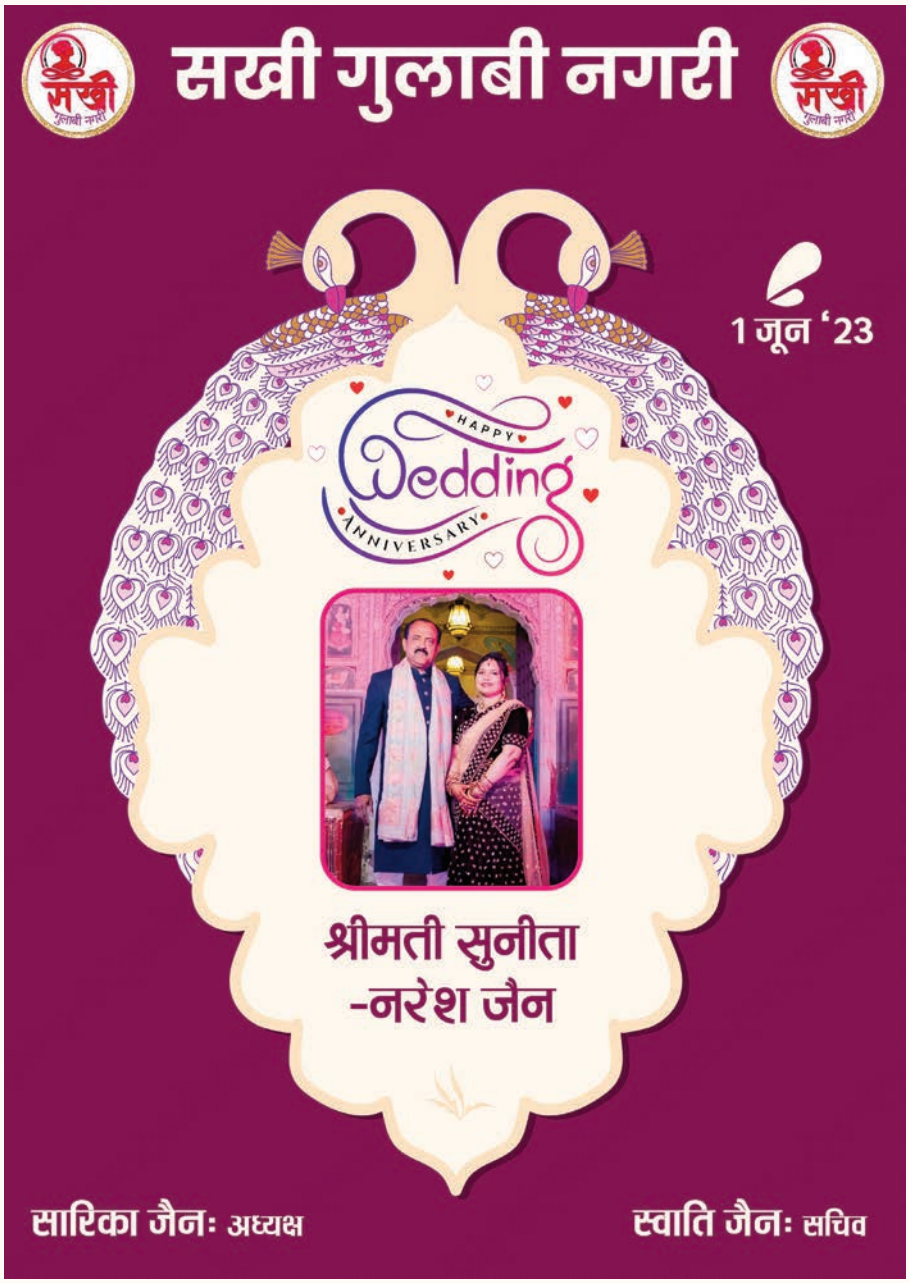

रूठियाई जैन मिलन की कार्यकारिणी का हुआ पुनर्गठन

रूठियाई. शाबाश इंडिया। विगत दिवस जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन गुना, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर विजय कुमार जैन पत्रकार राघौगढ़, क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर नरेश चंद जैन अशोक नगर के दिशा निर्देश में किया गया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के उद्देश्यों के अनुरूप जैन मिलन रुठियाई की आगामी कार्य योजना पर चर्चा की गई। जैन मिलन शाखा रूठियाई की नवीन कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया जिसमें शाखा संरक्षक अशोक जैन शिक्षक, अध्यक्ष अमित जैन सेंकी, शाखा मंत्री लोकांत चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकुर जैन, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, प्रचारमंत्री अर्पित जैन, राजेश जैन, नमन जैन, अनिल जैन, सीमांश चौधरी महावीर जैन को बनाया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य भगवंत उमा स्वाति या उमा स्वामी

शाबाश इंडिया

जैन समाज में तत्वार्थ सूत्र के रचयिता आचार्य श्री उमा स्वामी भगवंत के नाम से जाने जाते हैं वर्तमान समय में यही नाम उनका प्रचलित है। लेखक प्रकाशक विद्वान जन प्रायः सभी आचार्य भगवंत का नाम उमा स्वामी कहकर ही स्मरण करते हैं। वैसे भी तत्वार्थ सूत्र के जितने भी संस्करण प्रस्तुत हुए हैं ,उनमें सभी में ग्रंथ कर्ता का नाम उमा स्वामी आचार्य ही प्रकट कर स्मरण किया है।जबकि श्वेतांबर संप्रदाय में ग्रंथ कर्ता स्वामी का नाम आचार्य उमा स्वाति भगवंत कहकर स्मरण किया गया है। अब हम को समझना यह है कि उक्त ग्रंथ कर्ता का नाम वास्तविक रूप से उमा स्वाति था या उमा स्वामी ,और इस बात की पुष्टि किस तरह से, कहां से हो, इस हेतु आगम साहित्य से जो कुछ ज्ञात हुआ है, उसे जाने।

श्रवणबेलगोला के जितने भी शिलालेख प्राप्त हुए हैं उन शिलालेखों में आचार्य भगवंत का नाम उमा स्वाति ही कहा गया है। उमा स्वामी नाम का परिचय किसी भी शिलालेख में उत्कीर्ण नहीं हुआ है।

शिलालेख क्रमांक 47 में उत्कीर्ण है-

अभूदुमास्वातिमुनिश्वरोसावाचार्यशब्दोत्तरगृद्धपिच्छः ।
शिलालेख क्रमांक 105 में उत्कीर्ण है
श्रीमानुमास्वातिरयं यतीशस्तत्वार्थसूत्रं प्रकटीचकार।
शिलालेख क्रमांक 108 में उत्कीर्ण है-
अभूदुमास्वातिमुनिःपवित्रे वंशे तदीये सकलार्थवेदी।
सूत्रीकृतं में जिनप्रणीतं शास्त्रार्थजातं मुनिपुंगवेन।।

इन शिलालेखों में पहला शिलालेख शक संवत १०३७ का है तथा दूसरा १३२० का है और तीसरा १३५५ का लिपिबद्ध किया हुआ है । इससे यह बात तो स्पष्ट हो गई की लगभग ८५० वर्ष पहले से दिगम्बर परम्परा में तत्वार्थ सूत्र के कर्ता का नाम उमा स्वाति प्रचलित था। उसके पश्चात भी कई १०० वर्ष तक बराबर यही परिचय प्राप्त रहा । इन्हीं उमा स्वाति आचार्य भगवंत को गृद्ध पिच्छाचार्य के नाम से भी जाना जाता है । आचार्य भगवंत विद्यानंद स्वामी ने अपने श्लोक वार्तिक ग्रंथ में इस नाम का उल्लेख किया है

प्रभु वर्धमान स्वामी की उत्कृष्ट परंपरा में आचार्य भगवंत पद्म नंदी हुए जिन का प्रसिद्ध नाम कुंदकुंद आचार्य स्वामी है। इनके सुयोग्य शिष्य आचार्य भगवंत उमा स्वाति या उमा स्वामी हुए, इनका काल संभवत :179 से 220 तक माना गया है इनका समय नंदी संघ की पट्टा वली के अनुसार वीर निर्वाण संवत ५७१ है जोकि विक्रम संवत १०१ में आता है विद्वत जन बोधक में एक पद उल्लेखित है-

वर्षसप्तशते चैन सप्तत्या च विस्मृतौ।
उमास्वातिमुनिजातिः कुन्दकुन्दस्तथैव च।।

वीर निर्वाण संवत ७७० में उमा स्वामी मुनिराज हुए, उसी समय कुंदकुंद आचार्य भगवंत हुए नंदी संघ की पट्टा वली में बताया गया है कि उमा स्वामी ४० वर्ष ८ महीने आचार्य पद पर प्रतिष्ठित रहे उनकी आयु ८४ वर्ष की रही थी और विक्रम संवत् १४२ में उनके पद पर लोहा चार्य द्वितीय प्रतिष्ठित हुए । प्रोफेसर हार्नले, डॉक्टर पीटरसन, तथा डॉ. सतीश चंद्र ने इस पट्टा वली के आधार पर उमा स्वामी को ईसा की प्रथम शताब्दी का माना है ।आचार्य उमा स्वामी भगवंत प्रवृद्ध प्रज्ञा धनी, बहुशास्त्रज्ञ, आगमज्ञ, संस्कृत के प्रकांड तलस्पर्शी विद्वान, तार्किक तथा बहुआयामी तत्वज्ञ साधक एवं लेखक थे इसीलिए उनके लिए कहा गया है-

तत्वार्थसूत्रकरत्तारं गृद्धपिच्छोपलक्षितम्।
वन्दे गणेन्द्रसंजातमुमास्वातिमुनिश्वरम्।।

तत्वार्थ सूत्र के कर्ता गृद्धपिच्छ से युक्त गणीन्द्र संजात, उमा स्वाति मुनीश्वर को मैं नमस्कार करता हूं। तत्वार्थ सूत्र के कर्ता का नाम उमा स्वाति बतलाया गया है और उन्हें श्रुत केवली देशीय लिखा गया है संभवतः' गणीन्द्र संजात' का अर्थ भी श्रुत केवली देशीय ही जान पड़ता है। नंदी संघ की गुर्वा वली में भी तत्वार्थ सूत्र के कर्ता का नाम उमा स्वाति भगवन दिया गया है।

रमेश गंगवाल
मन. 1127, मनिहारों का रास्ता,
किशनपोल बाजार जयपुर , राजस्थान
9414409133 , 8302440084

जैन सिद्धांत भास्कर की चौथी किरण में प्रकाशित श्री शुभ चंद्र आचार्य भगवंत की गुर्वावली में भी यही नाम उल्लिखित है यह शुभ चंद्र आचार्य भगवंत १६वीं और १७वीं शताब्दी में हुए हैं।

नंदी संघ की पट्टावली में भी कुन्दकुन्द आचार्य भगवंत के पश्चात छठवें स्थान पर उमा स्वाति नाम ही पाया गया है ।

बाल चंद्र मुनि की बनाई हुई तत्वार्थ सूत्र की कन्नड़ी टीका में भी उमा स्वाति नाम का ही समर्थन है ,साथ ही उसमें गृद्धपिच्छ आचार्य नाम भी दिया हुआ है। बालचंद्र मुनि विक्रम की तेरहवीं शताब्दी के विद्वान हुए हैं।

विक्रम की १६ वीं शताब्दी से पहले ऐसा कोई भी ग्रंथ अथवा शिलालेख देखने में नहीं आया है, जिसमें तत्वार्थ सूत्र के कर्ता का नाम उमा स्वामी लिखा हो । १६ वीं शताब्दी के बने हुए श्री श्रुत सागर सूरी के ग्रंथों में इस नाम का प्रयोग जरूर प्राप्त हुआ है । श्रुत सागर सूरी ने अपनी श्रुत सागरी टीका में स्थान- स्थान पर उमा स्वामी नाम दिया है और औदार्य चिंतामणि नाम के ग्रंथ में श्रीमानुमाप्रभुर नन्तरपूज्यपादः इस वाक्य में आपने 'उमा' के साथ प्रभु शब्द लगाकर और भी स्पष्ट रूप से उमा स्वाति की जगह उमा स्वामी नाम को सूचित किया है ऐसा प्रतीत होता है उमा स्वाति की जगह उमा स्वामी यह नाम श्रुतसागर सूरी का ही निर्देश किया हुआ है ,और उनके समय से ही हिंदी भाषा के ग्रंथों में यह नाम प्रचलित हुआ है, वर्तमान में तत्वार्थ सूत्र के कर्ता के रूप में दिगंबर परंपरा में उमा स्वामी कहा जाने लगा है और श्वेतांबर परंपरा में उमा स्वाति कहा जाता है।

मुख्यमंत्री से अनुसूचित जनजाति वर्ग के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर अनुसूचित जनजाति वर्ग के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। संगठनों के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कैंसर रोग का जन्मदाता तंबाकू का नशा

शाबाश इंडिया

धूम्रपान करने बालों के फेफड़ों में कमजोरी आ जाती है,अथवा फेफड़ों में बीमारी प्रवेश कर लेती है जबकि जो नशा नहीं करते हैं उन्हें यह स्थिति नहीं होती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार यह आंकड़े सामने आये है कि पुरुषों में 50 प्रतिशत एवं महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण ही होता है।

युवकों में नशे की प्रवृति निरंतर बढ़ रही है। बीड़ी-सिगरेट पीकर नशा करने की आदत किशोरावस्था में महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान बढ़ जाती है। मुंह से सिगरेट-बीड़ी लगते ही युवक किशोरावस्था में ही अनेक गंभीर बीमारियों को शरीर में जन्म दे देते हैं। वर्तमान में नशे के अनेक साधन उपलब्ध है। नशा करने बाले सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, शराब, ब्राउन शुगर आदि का उपयोग जोर-शोर से कर रहे हैं। बीड़ी-सिगरेट में निकोटीन होता है, इसके नशे का सबसे पहले असर श्वसन प्रणाली पर पड़ता है इनके नशे का एक दुष्प्रभाव यह होता है कि यह आदत किशोरावस्था में लगती है और जीवन भर रहती है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारत में तंबाकू के पौधे को सबसे पहले पुर्तगाली यात्री वास्कोडिगामा लेकर आया था। तंबाकू के भारत में प्रवेश से पहले यहाँ प्राचीनकाल से भांग का नशा का नशा किया जाता था। अन्य प्रकार के नशों की अपेक्षा भांग से कैंसर नहीं होता है। धूम्रपान करने बालों के फेफड़ों में कमजोरी आ जाती है, अथवा फेफड़ों में बीमारी प्रवेश कर लेती है जबकि जो नशा नहीं करते हैं उन्हें यह स्थिति नहीं होती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार यह आंकड़े सामने आये है कि पुरुषों में 50 प्रतिशत एवं महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण ही होता है। 25 से 60 आयु समूह में मरने वालों में 25 प्रतिशत धूम्रपान के कारण मौत के मुँह में चले जाते है। यह भी उल्लेखनीय है कि धूम्रपान करने वालों में क्षय रोग टीबी की बीमारी के कीटाणु लगने की आशंका अन्य लोगों से चार गुना ज्यादा होती है। कैंसर इन्स्टीट्यूट नई दिल्ली के कैंसर चिकित्सा सेवा विभाग के निदेशक डॉ पुनीत गुप्ता ने कुछ समय पूर्व एक चर्चा के दौरान बताया तंबाकू की पत्तियों में करीब चार हजार रसायन होते हैं, जिनमें से 60 रसायन मनुष्य के शरीर में जाकर डीएनए, आर एन ए और प्रोटीन की संरचना में बदलाव करके गंभीर रोग कैंसर को पैदा करते हैं।

डॉ पुनीत गुप्ता के अनुसार जब तंबाकू से बने सिगरेट या सिगार को सुलगाया जाता है तो चार हजार रसायनों में से कुछ कैंसर जन्य रसायनों में बदल जाते हैं जब तंबाकू का सेवन शराब के साथ किया जाता है तो कैंसर पैदा करने की उसकी क्षमता बहुत अधिक बढ़ जाती है। इसलिए तंबाकू का सेवन किसी भी रूप में घातक है।

सिगरेट सिगार या बीड़ी का एक कश भी मानव शरीर के लिये हानिकारक है। एक सर्वेक्षण में यह तथ्य भी सामने आये है कि देश में तंबाकू का सेवन एवं धूम्रपान जानलेवा महामारी का रूप धारण कर चुका है। आम लोगों में इस बुरी आदत को छुड़ाने में मनोवैज्ञानिक उपचार कारगर साबित हुए है। अनेक अध्ययनों से ऐसे प्रमाण मिले है कि मनोवैज्ञानिक उपाय एवं उपचार से धूम्रपान छोड़ने बालों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा है कि तंबाकू खाना पूरी तरह से बंद करने से कैंसर तथा पूर्व कैंसर के 60 प्रतिशत मामलों को रोका जा सकता है। सर्वेक्षण में यह भी उल्लेख किया है भारत में 12 करोड़ लोग धूम्रपान करते हैं और दुनियाभर में धूम्रपान करने बालों की संख्या के हिसाब से चीन के बाद हमारा भारत दूसरे स्थान पर है। एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान करने बालों की तुलना में कैंसर से मरने बालों की संभावना सात गुना अधिक होती है। यह भी कहा है शराब और अन्य नशीले पदार्थों के साथ तंबाकू का सेवन तंबाकू के दुष्प्रभाव को और बढ़ा देता है। 50 की उम्र के बाद धूम्रपान को रोकने पर कैंसर का खतरा आधा हो जाता है जबकि 30 की उम्र में धूम्रपान रोकने पर इसके सभी दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। विगत वर्षों भारत सरकार ने संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में जानकारी दी थी तंबाकू का बाजार विश्व स्तर पर हर वर्ष 8.5 प्रतिशत से बढ़ रहा है। भारत में भारत सरकार द्वारा हर वर्ष सिगरेट पर जी एस टी में वृद्धि करने के वावजूद सिगरेट की खपत में दिन रात वृद्धि हो रही है। यहाँ विशेष रूप से उल्लेख करना चाहेंगे कि धूम्रपान करना सिगरेट का कश लम्बे समय तक खींचकर नशा करने से अनेक बीमारियाँ मानव शरीर में प्रवेश कर जाती हैं। सिर, गले, फेफड़े, आहार नली, किडनी, पैक्रियाज,स्तन एवं सर्वाइकल में कैंसर हो सकता है। इसके अलावा हृदय रोग और स्ट्रोक के अलावा पैरों में वैस्कुलर रोग के खतरे बढ़ जाते है। इसका इलाज नहीं है। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर के रजिस्ट्रार एवं सुप्रसिद्ध दंत चिकित्सक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ अमित रावत से मेरी इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई आपका कहना है ओरल कैंसर भारत में एक बड़ी समस्या है, देश में शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर में इसका स्थान है। डॉ अमित रावत ने बताया, "जब शरीर के ओरल कैविटी के किसी भी भाग में कैंसर होता है तो इसे ओरल कैंसर कहा जाता है। ओरल कैविटी में होंठ, गाल, लार ग्रंथिया, कोमल व हार्ड तालू, यूवुला, मसूडों, टॉन्सिल, जीभ और जीभ के अंदर का हिस्सा आते हैं। ओरल कैंसर आज हमारे देश की एक प्रमुख समस्या के रुप में बीमारी उभरी है सबसे ज्यादा पुरुषों में पाया जाता है इसका मुख्य कारण पान मसाला तंबाकू बीड़ी सिगरेट का प्रयोग करना है एल्कोहल भी इसका कारण है। ओरल कैंसर से पूरी तरह बचा जा सकता है। सभी का योगदान बहुत जरुरी है। तबाकू में करीब पांच सौ तरीके के हानिकारक तत्व होते हैं जिनमें से 50 ऐसे हैं जिन्हें हम कार्सिनोजन कहते है।

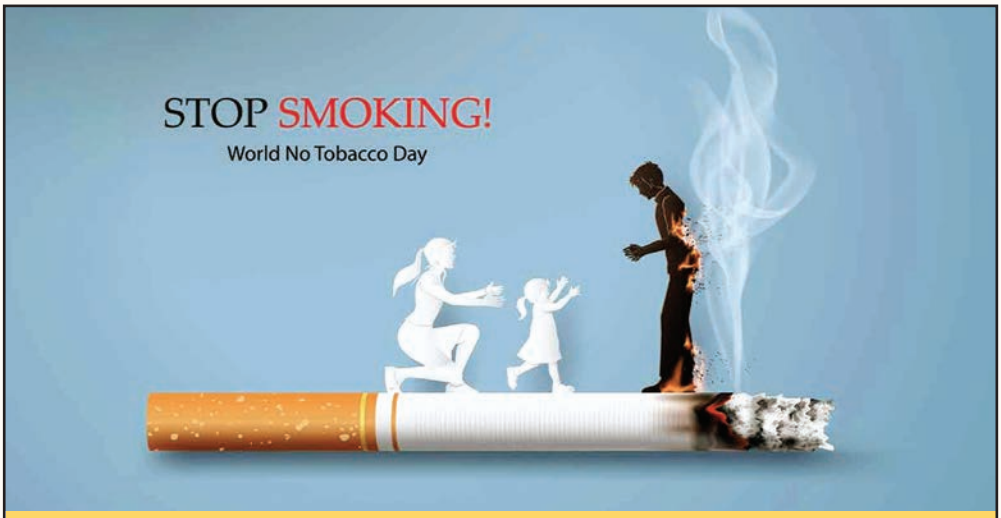

ओरल कैंसर भारत में एक बड़ी समस्या है, देश में शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर में इसका स्थान है। डॉ अमित रावत ने बताया, "जब शरीर के ओरल कैविटी के किसी भी भाग में कैंसर होता है तो इसे ओरल कैंसर कहा जाता है। ओरल कैविटी में होंठ, गाल, लार ग्रंथिया, कोमल व हार्ड तालू, यूवुला, मसूडों, टॉन्सिल, जीभ और जीभ के अंदर का हिस्सा आते हैं। ओरल कैंसर आज हमारे देश की एक प्रमुख समस्या के रुप में बीमारी उभरी है...

कैसे होता है ओरल कैंसर

1. स्मोकिंग-सिगरेट, सिगार, हुक्का, इन तीनों चीजों के आदी लोगों को एक नॉनस्मोकर के मुकाबले माउथ कैंसर होने का 6 फीसदी ज्यादा खतरा होता है।
2. तंबाकू-माउथ कैंसर होने का खतरा तंबाकू सूंघने, खाने या चबाने वाले लोगों को उनकी तुलना में 50 फीसदी ज्यादा होता है, जो तंबाकू यूज नहीं करते। माउथ कैंसर आम तौर पर गाल, गम्स और होंठों में होते हैं।
3. एल्कोहल-शराब पीने वालों को माउथ कैंसर होने का खतरा बाकी लोगों से 6 फीसद ज्यादा होता है। तम्बएकु सेवन युवा पीढ़ी के लिए अभिशाप है।

वर्ष 2020 में covid19. एबम ब्लैक फंगस के मरीजो में भी तम्बाकू उपुयोग करने बाले लोगो को अधिक इन्फेक्शन हो रहा है। मेरे मित्र समाज सेवी एवं पिछले लगभग 30 वर्ष से ''गुटखा हानिकारक है'' नशा मुक्ति अभियान चला रहे माली कृष्ण गोपाल कश्यप जिन्हें उत्कृष्ट कार्य के विगत वर्ष मध्यप्रदेश शासन द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया है। कश्यप का कहना है वर्तमान में नशीले गुटखा पाउच का प्रचलन ज्यादा हो रहा है। गुटखा खाने से मुंह का कैंसर होता है। गुटखा में तंबाकू के साथ और भी नशीली वस्तुओं का मिश्रण किया जाता है। आपका कहना है गुटखा पाउच जिसे हम चाव से खाते है वह कैंसर को शीघ्र जन्म दे रहा है। विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

शाखा प्रबंधक पालीवाल को दी विदाई

बालेसर. शाबाश इंडिया। भारतीय जीवन बीमा निगम की बालेसर शाखा प्रबंधक किशनाराम पालीवाल को विदाई दी गई। शाखा प्रबंधक पालीवाल का स्थानांतरण बालेसर से जोधपुर हो जाने पर विकास अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों व अभिकर्ताओं द्वारा सिरोपाव के साथ माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। विकास अधिकारी मदनसिंह ने संबोधन में कहा कि शाखा प्रबंधक किशनाराम पालीवाल की बीमा क्षेत्र में उल्लेखनीय विशिष्ट सेवाऐं रही। इस दौरान अभिकर्ताओं व अधिकारियों ने भी विचार रखें। कैलाश रायपुरिया बालेसर एलआईसी शाखा प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर विकास अधिकारी मदनसिंह राठौड़, लक्ष्मण परिहार, प्रशासनिक अधिकारी सुरेंद्र पवार, सुशील कुमार सैनी, अभिकर्ता माणक लाल भूत, मोतीदास संत, अगरसिंह तेना, जोगेंद्रसिंह बस्तवा, प्रदीप टावरी, युगलसिंह भाटी, अशोक सोनी, हरिसिंह, बिजाराम, स्वरूपसिंह सोलंकियातला, दिलावर सिंह राठौड़, श्याम आरोड़, काननकुमार सुथार, शैलेश दैया, श्रवण गिरी, निर्मल जैन,जेठूसिंह गड़ा सहित कई अभिकर्ता मौजूद रहे।

मानवता की सेवा करने वाले हाथ उतने ही धन्य होते हैं, जितने परमात्मा की प्रार्थना करने वाले होठ

अजमेर. शाबाश इंडिया

31 मई 2023 बुधवार को माँ सावित्री बाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले के आशीर्वाद से ज्योतिबा फूले सर्किल पर माली समाज के बैनर तले माँ सावित्री बाई फुले मातृशक्ति कल्याण संस्थान के सौजन्य से निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर मैंगो शेक, मिल्क शेक व अन्य ठंडे शरबत का वितरण महिला टीम व वरिष्ठ समाज के लोगों द्वारा किया गया जिसमें समाज के सभी गणमान्य लोग वह संस्थान की सभी मातृशक्ति अपनी सेवा देने के लिए उपस्थित रही। उन सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। इस पुनीत कार्यक्रम की सफलता में इन सभी का विशेष सहयोग रहा- सुनीता चौहान, लक्ष्मी तुनवाल, कीर्ति सिंगोदिया , किरण सोलंकी, ललिता माली ,सरोज कच्छावा , मधु चौहान, चंचल गढ़वाल, दुर्गा पालरिया, इंदिरा तुनवाल , पुष्पा सोलंकी , रितु सांखला ,नीरू जादम , ज्योति जादम, किरण तुनवाल ,माया मोर्य ,सना चौहान , सुहानी जादम , सलोनी चौहान, रेखा दगदी, हनी सिंगोदिया, हिना जादम , रतन लाल जादम, त्रिलोक चंद इंदौरा मेवालाल जादम विनोद गढ़वाल, महावीर सिंह चौहान, जितेंद्र भाटी, महेश चौहान , हिमांशु चौहान, हेमराज सिसोदिया, प्रदीप कच्छावा, अरुण तुनवाल ,भानु प्रताप कच्छावा, संदीप तवर, कैलाश तुनवाल, राकेश तंवर, भूपेंद्र सिंह चौहान , मनीष सिंह चौहान, विनोद जादम , सुरेंद्र चौहान, प्रदीप कच्छावा, देवेश जादम, हेमराज खारोलिया, धर्मेंद्र टाक, तरुण जादम, नवीन महावर, पवन जादम, धर्मेंद्र सिंह चौहान, इत्यादि समाज के और भी गणमान्य लोग मौजूद थे।

निर्जला एकादशी पर किया शीतल पेय जल का वितरण

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। हिन्दू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए व्रत, उपवास भी किया जाता है यह शुभ व फलदाई भी माना जाता है ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी के नाम भी जाना जाता है इस दिन कई स्थानों पर शीतल पेय जल आदि का वितरण किया जाता है इसी कड़ी में अजमेर रोड डी सी एम पर निर्जला एकादशी पर प्रातः 8 बजे से राहगीरों को शीतल पेय जल का वितरण किया गया इस अवसर पर राजेंद्र यादव, रामचरण विजयवर्गी, मोहन यादव, कृष्ण यादव, अशोक यादव, अमन जैन कोटखावदा सहित कई लोग मौजूद रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में नशामुक्ति का दिया संदेश : पूनम अंकुर छाबड़ा

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश को नशामुक्त बनाने हेतू अनशन करते हुए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले पूर्व विधायक गुरुशरण जी छाबड़ा की पुत्रवधू एवं नशामुक्ति आंदोलन को गांव-गांव ढाणी-ढाणी पहुँचाने वाली पूनम अंकुर छाबड़ा ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सम्पूर्ण नशामुक्ति का संदेश दिया। आज विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर की काँसेल पंचायत व बगरू पंचायत में भादुका सेवा संस्थान द्वारा नशामुक्ति पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। जिसमें लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूकता हेतू शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा को मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। पूनम अंकुर छाबड़ा ने बताया कि तम्बाकू का सेवन बहुत ही खतरनाक है जिससे बहुत तरह की बीमारियाँ लग सकती हैं एवं कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा है, हर प्रकार का नशा जानलेवा है साथ ही आर्थिक व सामाजिक नुकसान भी करता है।

विटामिन डी की कमी होने पर क्या- क्या नहीं खाना चाहिए?

शाबाश इंडिया

स्वास्थ्य हमारे शरीर की सबसे बड़ी पूंजी है। अगर हमारे शरीर का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है तो हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह से हमारे शरीर में अलग- अलग विटामिनों का भी अपना-अपना अलग-अलग महत्व होता है। परंतु आज हम बात करेंगे कि अगर हमारे शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है तो उसे पूरा करने के लिए हमें अपने आहार में क्या-क्या नहीं खाना चाहिए। क्योंकि विटामिन डी का हमारे शरीर में होना अति आवश्यक है। यह हमें बाहरी संक्रमण से बचाता है। विटामिन डी की मदद से हमारे शरीर को कैल्शियम बनाने मदद मिलती है।

क्या नहीं खाना चाहिए

विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए हमें वायु प्रधान चीजें अधिक नहीं खानी चाहिए। सलाद भी कम खाना चाहिए। फास्ट फूड अधिक नहीं खाना चाहिए। अपने आहार में छोले ,राजमा व जल्दी ना पचने वाले पदार्थ अधिक नहीं खाने चाहिए। फ्रिज में रखा हुआ भोजन नहीं खाना चाहिए । दिन में कम सोना चाहिए। रात को देर रात तक नहीं जागना चाहिए। आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक इत्यादि ठंडी चीजें कम लेनी चाहिए। खट्टे पदार्थों जैसे कि अचार,चटनी आदि का भी कम सेवन करना चाहिए। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए क्या-क्या करना चाहिए- अपनी पाचन शक्ति को मजबूत रखना चाहिए। देसी घी

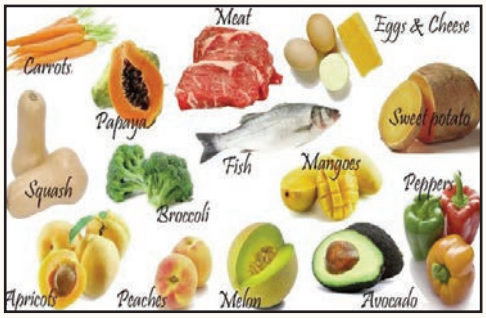

या तिल के तेल का अधिक प्रयोग करना चाहिए। रोजाना अपने शरीर पर मालिश करनी चाहिए। योग प्राणायाम व ध्यान करना चाहिए। पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना चाहिए। **विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए क्या चीज अति आवश्यक है:** विटामिन डी हमारे शरीर के लिए अति आवश्यक है। इसकी कमी से हमारी हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। 35 वर्ष के बाद तो इसकी कमी अधिकतर महिलाओं में देखने को मिलती है। बाकी सभी विटामिन हम अपने खानपान से पूरे कर सकते हैं। परंतु विटामिन डी एक ऐसा विटामिन है जिसकी पूर्ति हमें सूर्य की किरणों से व विटामिन डी के सप्लीमेंट लेकर पूरी करनी पड़ती है। मछली में भी प्रचुर मात्रा में विटामिन डी पाया जाता है। दोस्तों अगर आपको मेरी यह जानकारी अच्छी लगी हो तो कृपया मुझे अपवोट करना ना भूले।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने कहा...

मकान तो चार दीवारों से बन जाते हैं लेकिन,घर बनाने और बसाने के लिए सब्र, समझ, प्रेम, और बड़े बुजुर्गों का सम्मान बहुत जरूरी है

ऊदगाव, महाराष्ट्र. शाबाश इंडिया। भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का विहार महाराष्ट्र के ऊदगाव की ओर चल रहा है विहार के दौरान भक्त को कहाँ की मकान तो चार दीवारों से बन जाते हैं लेकिन,घर बनाने और बसाने के लिए सब्र, समझ, प्रेम, और बड़े बुजुर्गों का सम्मान बहुत जरूरी है..! किसी बुजूर्ग से पूछा - दादा जी कैसी कट रही है ज़िन्दगी- ? बुजूर्ग दादा जी ने बहुत सदे हुए लफ़्ज़ों में और रून्धे हुई आवाज में कहा - बेटा जहाँ से शुरू किया था सफर वहीं पे पहुंच गए, बेटियों को दामाद ले गये और बेटों को बहू ले गई। सच है मित्रो! आज की भाग दौड़ की ज़िन्दगी में कौन करता है बुजूर्गों की परवरिश- ? कौन रखता है ध्यान- ? कौन करता है उनकी सेवा- ? हमारे घर, परिवार और समाज में, बुजूर्ग अपनों के बीच में भी अकेले हो रहे हैं। अपनों के साथ अकेलापन महसूस कर रहे हैं।कहीं कहीं तो उन्हें जान बूझकर अकेला छोड़ दिया जाता है या उम्र के ढलान पर उन्हें वृद्ध आश्रम में छोड़ दिया जाता है। कहना गलत नहीं होगा आज देश के सर्वेक्षण में 40% बुजूर्गों का कहना है कि 44% प्रतिशत बेटे, 28% बहु और 14% से ज्यादा बेटीयों द्वारा बड़े बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार अशिष्ट वचन करने और कहने की बात सामने आ रही है। इसलिए आज हमारे बड़े बुजूर्ग शारीरिक रूप से कम,, मानसिक रूप से ज्यादा अस्वस्थ दिख रहे और उम्र के पड़ाव से जूझ रहे हैं। दरअसल एकल परिवारों का चलन और स्वार्थ परक सोच, अधिक ऐजुकेशन की सोच ने आज की पीढ़ी को अकेला कर दिया है। जो आने वाले समय में उनके लिए ही घातक सिद्ध होगी। हमारे देश में जहाँ वानप्रस्थ आश्रम बनते थे, आज उसी देश में वृद्ध आश्रम कुकुर मुत्तो की तरह खुल रहे हैं, जो इस देश के दुर्भाग्य का द्योतक है। पहले भारत देश का एक बुजूर्ग चार जबान बेटों की परवरिश हँसकर कर लेता था और आज उसी देश के चार जवान बेटे मिलकर एक बुजूर्ग की परवरिश नहीं कर पा रहे हैं।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।